Bipin Nambiar
(SBI PO 2018)

Shiraz Khan
(SBI Clerk 2018)

Kuldeep Yadav
(SBI PO 2018)

Rajat Saxena
(IBPS Clerk 2018)

Anupam Tyagi
(IBPS PO 2018)

FRIENDS!
WE USED **TESTZONE**
AND CRACKED BANK EXAMS

बैंक परीक्षाओ के लिए निश्चित
रूप से सर्वश्रेष्ट मॉक
टेस्ट सीरीज

IT'S YOUR TURN NOW
TAKE A **FREE** MOCK TEST

Smartkeeda
The Question Bank

Word Replacement Questions for RRB Scale I Mains & RRB Office Assistance Mains

Hindi Word Replacement Quiz 3

दिशा-निर्देश : दिए गए वाक्य में एक शब्द को बोल्ड किया गया है, जो वर्तनी, वाक्य प्रयोग अथवा व्याकरण की दृष्टि से अनुपयुक्त हो सकता है। यदि शब्द अनुपयुक्त है तो दिए गए विकल्पों में से सही शब्द का चयन कर उत्तर दें अन्यथा विकल्प E को सही उत्तर चुनें।

1. यथार्थ अभिव्यक्ति के कारण समकालीन कहानी को आलोचको की **प्रशंसा** का शिकार भी होना पड़ा।

A. ख़ुशी
B. तारीफों
C. आलोचना
D. आलोचनाओं
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

2. नेताओं के स्वार्थ केंद्रित होने से चरित्र भ्रष्ट हो गये जिससे उनका **मनभावक** रूप उभर कर सामने आया।

A. मंत्रमुग्ध
B. शोषक
C. घृणित
D. B और C दोनों
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

3. राजनैतिक मूल्यों में विघटन के परिणामस्वरूप जो नयी दिशाएँ उभरी वो **इधर** से भी हितकर प्रतीत नहीं होती।

A. यहाँ
B. कहीं
C. यहीं
D. विकल्प B और C दोनों
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

4. गाँवों के विकास के लिए गाँव के ही लोगो को स्वायत्तता प्रदान **मानना** सरकार का उद्देश्य था।

A. देना
B. करना
C. होना
D. मिलना
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

5. ग्राम पंचायतो के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि निर्वाचन के **दौरान** ग्राम पंचायतो में निर्वाचन उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा होती है।

A. दौर
B. निर्वाचित
C. होते
D. विकल्प A और B दोनों
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

6. अध्ययन क्षेत्र के 97 प्रतिशत लोगो का **मान** है की निर्वाचन लड़ने वालो की संख्या ज्यादा होने पर समाज के लोग कई गुटों में बंट जाते है।

A. मानना
B. विचार
C. अनुमान
D. उपरोक्त सभी
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

Smartkeeda
The Question Bank

7. भारतीय दर्शन के अनुसार यह ब्रह्मांड आद्यतन एक सुर लय में स्पंदित होता है और आनंद का **मोह** बनता है।

A. कारण
B. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
C. अभिप्रेरणा
D. हेतु
E. उपरोक्त सभी

8. जब जब इस सृष्टि के नियमो, सुर-लय एवं अनुशासन में **अवरोध** उत्पन्न होता है तब-तब मानव जीवन दुःख एवं पीड़ा के अंधकार से घिर जाता है।

A. वृध्दि
B. तीव्रता
C. उछाल
D. विकल्प A और B दोनों
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

9. दुखो , कष्टों एवं पीड़ाओं को सुख में परिवर्तित करने का **कोशिश** प्रत्येक युग एवं समाज में होता रहा है क्योकि आनंद एवं सुख प्रत्येक मनुष्य के जीवन का आधारभूत तत्व है।

A. यत्न
B. प्रयत्न्न
C. चेष्टा
D. विकल्प A और B दोनों
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

10. मानवमूल्य की दृष्टि से यदि हम भक्तिकाल के प्रमुख निर्गुण कबीर अथवा कबीरदार की वाणी का **चयन** करे तो हम पाते है कि कबीरवाणी मानवीय सरोकार सर्वोच्च मूल्यों की संस्थापिका है।

A. विश्लेषण
B. अध्ययन
C. समझ
D. विकल्प A और B दोनों
E. परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

Smartkeeda
The Question Bank

Correct answer:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
C	D	B	B	E	D	E	E	D	D

Explanation:

1. उपरोक्त वाक्य में प्रयोग किया गया शब्द “प्रशंसा” वाक्य के सन्दर्भ में एक अनुपयुक्त चयन है।

यदि हम दिए गए वाक्य का गहन अध्ययन करते है हमे ज्ञात होता है कि समकालीन कहानियाँ आलोचकों की अभिव्यक्ति की शिकार हुई।यदि हम दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A और B के शब्द का प्रयोग करते है शब्द-समूह “आलोचकों की ख़ुशी का शिकार” तथा “आलोचकों की तारीफों का शिकार” प्राप्त होता है। ये दोनों ही शब्द-समूह वाक्य स्पष्ट आशय प्रकट करने में असमर्थ है,क्योकि कभी भी कोई भी व्यक्ति /वस्तु किसी के तारीफों या ख़ुशी का शिकार नहीं बन सकती है।यदि हम दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प Cऔर D के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह “आलोचकों की आलोचना का शिकार" तथा “आलोचकों की आलोचनाओं का शिकार” प्राप्त होता है, इन दोनों ही शब्द-समूह में से “आलोचकों की आलोचना का शिकार" यह वाक्यांश “वचन” की दृश्टिकोण से त्रुटिपूर्ण शब्द-समूह है। अतः हम इसे ख़ारिज कर सकते है।

अतः विकल्प C सही चयन है।

2. उपरोक्त वाक्य में प्रयोग किया गया शब्द “मनभावक” वाक्य के सन्दर्भ में एक अनुपयुक्त शब्द है।

उपरोक्त वाक्य में जहा वाक्य के प्रथम भाग में नेताओं के चरित्र भ्रष्ट होने की बात की गयी है वही वाक्य के अंतिम भाग में भ्रष्ट चरित्र के कारण नेताओं के मनभावक चरित्र के उभरने की बात की गयी है,ये दोनों की भाग एक दूसरे के बीच अंतर्विरोध प्रकट कर रहे है। अर्थात आशय यह है कि कभी भी किसी के भ्रष्ट चरित्र के कारण उसका मनभावक रूप बाहर नहीं आ सकता है अपितु ऐसी परिस्थिति में उस इंसान का एक क्रूर या घृणित रूप ही बाहर आता है।

यदि हम दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प B और C के शब्दों का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह “उसका घृणित रूप” तथा “उसका शोषक रूप” मिलता है जो कि वाक्य के सन्दर्भ में एक स्पष्ट आशय प्रकट करने में सक्षम है।

अतः विकल्प D सही चयन है।

3. उपरोक्त वाक्य में प्रयोग किया गया शब्द “इधर” वाक्य के सन्दर्भ में एक अनुपयुक्त चयन है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह “यहाँ से भी हितकर प्रतीत नहीं होती” प्राप्त होता है जो कि लिंग चयन के अनुसार एक गलत

Smartkeeda
The Question Bank

शब्द-समूह है। अतः हम विकल्प A के शब्द को ख़ारिज कर सकते है।

यदि दिए गए शब्द के जगह पर हम विकल्प B के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "कहीं से भी हितकर प्रतीत नहीं होती" प्राप्त होता है जो कि उपरोक्त वाक्य का सही आशय प्रकट करने में समर्थ है।

यदि हम दिए शब्द के जगह पर हम विकल्प C के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "यहीं से भी हितकर प्रतीत नहीं होती" प्राप्त होता है जो कि उपरोक्त वाक्य का सही आशय प्रकट करने में असमर्थ है।

अतः विकल्प B सही चयन है।

4. उपरोक्त वाक्य में शब्द "मानना" वाक्य के सन्दर्भ में एक उपयुक्त शब्द नहीं है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "प्रदान देना" प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में सक्षम नहीं है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प B के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "प्रदान करना" प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में सक्षम है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प C के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "प्रदान होना" प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में सक्षम नहीं है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प D के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "प्रदान मिलना" प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में सक्षम नहीं है।

अतः विकल्प B सही चयन है।

5. उपरोक्त दिए गए वाक्य में शब्द "दौरान" का प्रयोग उपयुक्त है। यदि हम इस वाक्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करते है तो हमे यह ज्ञात होता है कि यह वाक्य पूर्णतः त्रुटिहीन है।

अतः विकल्प E सही चयन है।

6. उपरोक्त दिए गए वाक्य में शब्द "मान" का प्रयोग वाक्य के सन्दर्भ में एक अनुपयुक्त शब्द है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "मानना है कि " प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प B के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "विचार है कि " प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प C के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "अनुमान है कि " प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

Smartkeeda
The Question Bank

अतः दिए गए विकल्पों के सभी शब्द वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर प्रयोग करने से वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

अतः विकल्प D सही चयन है।

7. उपरोक्त दिए गए वाक्य में शब्द "मोह" का प्रयोग वाक्य के सन्दर्भ में एक अनुपयुक्त शब्द है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "आनंद का कारण बनता है " प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प C के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "आनंद का अभिप्रेरणा बनता है " प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प D के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "आनंद का हेतु बनता है " प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

अतः दिए गए विकल्पों के सभी शब्द वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर प्रयोग करने से वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

अतः विकल्प E सही चयन है।

Smartkeeda
The Question Bank

8. उपरोक्त दिए गए वाक्य में शब्द "अवरोध" का प्रयोग उपयुक्त है। यदि हम इस वाक्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करते है तो हमे यह ज्ञात होता है कि यह वाक्य पूर्णतः त्रुटिहीन है।

अतः विकल्प E सही चयन है।

9. उपरोक्त दिए गए वाक्य में शब्द "कोशिश " का प्रयोग लिंग चयन के दृस्टिकोण से उपयुक्त नहीं है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "करने का यत्न " प्राप्त होता है जो कि लिंग चयन के दृश्टिकोण से त्रुटिहीन है तथा वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प B के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह "करने का प्रयत्न " प्राप्त होता है जो कि लिंग चयन के दृश्टिकोण से त्रुटिहीन है तथा वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प C के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-

समूह “करने का चेष्टा ” प्राप्त होता है जो कि लिंग चयन के दृश्टिकोण से गलत चयन है। अतः हम इस विकल्प के शब्द ख़ारिज कर सकते है।

अतः विकल्प D सही चयन है।

10. उपरोक्त दिए गए वाक्य में शब्द “चयन” का प्रयोग वाक्य के सन्दर्भ में अनुपयुक्त है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह “वाणी का विश्लेषण करे” प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह “वाणी का अध्ययन करे” प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ है।

यदि हम वाक्य में दिए गए शब्द के स्थान पर विकल्प A के शब्द का प्रयोग करते है तो हमे शब्द-समूह “वाणी का समझ करे” प्राप्त होता है जो कि वाक्य का स्पष्ट आशय व्यक्त करने में समर्थ नहीं है।

अतः विकल्प D सही चयन है।

Smartkeeda
The Question Bank

SmartKeeda
The Question Bank

Presents

TestZone

India's least priced Test Series platform

JOIN

ALL BANK EXAMS

2020-2021 Test Series

@ Just

₹599/-

300+ Full Length Tests

- ☑ Brilliant Test Analysis
- ☑ Excellent Content
- ☑ Unmatched Explanations

JOIN NOW